दृष्टि
The Vision

करेंट अफेयर्स उत्तराखंड

मार्च (संग्रह)

2022

दृष्टि, 641, प्रथम तल, डॉ. मुखर्जी नगर, दिल्ली-110009
फोन: 8750187501
ई-मेल: online@groupdrishti.com

अनुक्रम

उत्तराखंड **3**

- लघु फिल्म 'पताल-ती' 3
- कीड़ा जड़ी 3
- यमुना घाटी में सिंधु घाटी सभ्यता काल से जुड़ी प्रतिमा मिली 4
- घस्यारी उत्सव 4
- उत्तराखंड में पिछले 10 वर्षों में मतदाताओं में 30% की वृद्धि 4
- उत्तराखंड विधानसभा चुनाव 2022 5
- चुनाव जीतने वाले 70 प्रत्याशियों में 27 प्रतिशत के खिलाफ आपराधिक मामले 5
- काली नदी पर तटबंध निर्माण 6
- आईआईटी परिसर में मिला टाइफोनियम इनोपिनटम का पौधा 6
- बंशीधर भगत प्रोटेम स्पीकर नियुक्त 6
- उत्तराखंड स्वास्थ्य विभाग और केरल के मेडिट्रिना के बीच समझौता ज्ञापन 7
- छह निजी अस्पताल आयुष्मान योजना की सूची से बाहर 7
- स्व. बिपिन रावत पद्म विभूषण से सम्मानित, बेटियों ने ग्रहण किया अवार्ड 8
- झंडा मेला 8
- उत्तराखंड में नई सरकार का गठन 9
- धूमकेतु लियोनार्ड 9
- रितु खंडूरी निर्विरोध चुनी गईं उत्तराखंड विधानसभा की अध्यक्ष 9
- मुख्यमंत्री धामी ने किया मंत्रालयों का बँटवारा, अपने पास रखे 24 विभाग 10
- वृद्धावस्था पेंशन योजना में परिवर्तन 10

नोट :

उत्तराखंड

लघु फिल्म 'पताल-ती'

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में उत्तराखंड की भोटिया जनजाति पर केंद्रित लघु फिल्म 'पताल-ती'का चयन दक्षिण कोरिया के बुसान शहर में आयोजित होने वाले 39वें इंटरनेशनल शार्ट फिल्म फेस्टिवल में प्रदर्शन के लिये किया गया है।

प्रमुख बिंदु

- बुसान फिल्म फेस्टिवल में प्रदर्शित की जाने वाली इस फिल्म का निर्माण-निर्देशन रुद्रप्रयाग ज़िले के संतोष रावत द्वारा किया गया है।
- फेस्टिवल के लिये चयनित कुल 40 फिल्मों में इस फिल्म को 14वां स्थान मिला है। बुसान फिल्म फेस्टिवल में प्रदर्शित की जाने वाली इन फिल्मों में से चार सर्वश्रेष्ठ फिल्मों को ऑस्कर समेत विभिन्न विश्वस्तरीय पुरस्कारों के लिये भेजा जाएगा।
- यह फिल्म भोटिया जनजाति के एक ऐसे किशोर की कहानी पर आधारित है, जो अपने मरणासन्न दादा की आखिरी इच्छा पूरी करने के लिये भूत और भौतिक के बीच की दूरी को नापता है।

कीड़ा जड़ी

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में जैव ऊर्जा रक्षा अनुसंधान संस्थान(डिबेर), हल्द्वानी के वैज्ञानिक डॉ. रंजीत सिंह ने बताया कि कीड़ा जड़ी (कार्डीसेप्सस साईनेसिस) के डिबेर लैब में उत्पादन संबंधी शोध में सफलता के बाद अब इसका व्यावसायिक उत्पादन उत्तराखंड, गुजरात एवं केरल स्थित तीन लैब में किया जाएगा।

प्रमुख बिंदु

- यह जड़ी एक विशेष प्रकार के कीड़े के मरने पर उसमें निकले फफूँद से प्राप्त होता है। इसमें प्रोटीन अमीनो एसिड, विटामिन B-1, B-2 एवं B -12 जैसे पोषक तत्त्व पाए जाते हैं।
- इसका प्रयोग निम्न रोगों के उपचार मे किया जाता है-
  - किडनी उपचार
  - उच्च रक्तचाप नियंत्रण
  - रक्त निर्माण
  - अस्थमा, नपुंसकता, अस्थि जोड़ में दर्द आदि का उपचार
- कीड़ा जड़ी उत्तराखंड के चमोली और पिथौरागढ़ के धारचूला व मुनस्यारी क्षेत्र में 3,500 मीटर से अधिक ऊँचाई वाले स्थानों में प्राकृतिक रूप से उगती है।

नोट :

यमुना घाटी में सिंधु घाटी सभ्यता काल से जुड़ी प्रतिमा मिली

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में उत्तराखंड के दून पुस्तकालय एवं शोध केंद्र की पहल पर पुरातत्त्व व इतिहास के शोधार्थियों ने उत्तरकाशी ज़िले में यमुना घाटी में स्थित देवल गाँव से पाषाण निर्मित महिष (भैंसा) मुखी चतुर्भुज मानव प्रतिमा की खोज की है।

प्रमुख बिंदु

- 4 मार्च, 2022 को दून पुस्तकालय एवं शोध केंद्र के शोधार्थी तथा इतिहासकार प्रो. महेश्वर प्रसाद जोशी ने पत्रकारों को यह जानकारी दी।
- शोधार्थी इस प्रतिमा को सिंधु घाटी सभ्यता से प्राप्त 'आदि शिव'की प्रतिमा से जोड़कर देख रहे हैं। उनका कहना है प्रतिमा सिंधु घाटी सभ्यता और उत्तराखंड के पारंपरिक संबंधों को रेखांकित करती है।
- इस दुर्लभ प्रतिमा का प्रकाशन रोम से प्रकाशित प्रतिष्ठित शोध पत्रिका 'ईस्ट एंड वेस्ट'के नवीनतम अंक में हुआ है कि जो इसके पुरातात्त्विक महत्त्व को दर्शाता है।
- प्रो. महेश्वर प्रसाद जोशी ने कहा कि उत्तराखंड की यमुना घाटी में पहले भी सिंधु घाटी सभ्यता से जुड़े अवशेष मिल चुके हैं। यहाँ कालसी में अशोक के शिलालेख, जगतग्राम व पुरोला में ईंटों से बनी अश्वमेध यज्ञ की वेदियाँ और लाखामंडल के देवालय समूह प्रसिद्ध हैं।
- उन्होंने बताया कि दून पुस्तकालय एवं शोध केंद्र की पहल पर पुरातत्त्व से जुड़े शोधार्थियों ने हाल ही में इस क्षेत्र से पुरातात्त्विक महत्त्व के कई अन्य महत्त्वपूर्ण अवशेष खोजे हैं।

घस्यारी उत्सव

चर्चा में क्यों ?

- 6 मार्च, 2022 को उत्तराखंड के उत्तरकाशी ज़िले के गंगोत्री घाटी में स्थित छोटे-से गाँव मथोली में 'घस्यारी उत्सव' का आयोजन किया गया।

प्रमुख बिंदु

- कार्यक्रम का आयोजन बकरी छाप फेम प्रदीप पँवार ने किया था। इस उत्सव के आयोजन का उद्देश्य ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देना और परंपरा का संरक्षण करना था।
- कार्यक्रम में कुल 50 महिलाओं ने हिस्सा लिया। आयोजकों ने महिलाओं की पाँच टीमों का गठन किया था और प्रतियोगिता के विजेताओं को 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सम्मानित किया जाएगा।
- इस अवसर पर महिलाओं ने पारंपरिक 'टांडी नृत्य' भी किया।
- स्थानीय भाषा में 'घस्यारी' शब्द का प्रयोग उन महिलाओं के लिये किया जाता है, जो चरागाहों और जंगलों से पशुओं के लिये चारा लाती हैं।

उत्तराखंड में पिछले 10 वर्षों में मतदाताओं में 30% की वृद्धि

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में समुदायों के लिये सामाजिक विकास (एसडीसी) फाउंडेशन द्वारा जारी विधानसभा चुनावों पर रिपोर्ट 'दशकीय चुनावी विकास और जनसांख्यिकीय चुनौती, 2012-22' के अनुसार हिमालयी राज्य उत्तराखंड ने पिछले दस वर्षों में मतदाताओं की संख्या में 30 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है।

नोट :

प्रमुख बिंदु

- समुदायों के लिये सामाजिक विकास (एसडीसी) फाउंडेशन ने 2012 से 2022 के चुनावों तक पाँच राज्यों- उत्तर प्रदेश, मणिपुर, पंजाब, उत्तराखंड और गोवा का तुलनात्मक विश्लेषण करते हुए यह रिपोर्ट तैयार की है।
- रिपोर्ट के अनुसार, उत्तराखंड में मतदाताओं में 30 प्रतिशत, पंजाब में 21 प्रतिशत, उत्तर प्रदेश में 18-19 प्रतिशत, मणिपुर में 14 प्रतिशत तथा गोवा में 13 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।
- वर्ष 2012 में उत्तराखंड में 63,77,330 मतदाता थे, जो 2022 के विधानसभा चुनाव में बढ़कर 82,66,644 हो गए हैं।
- एसडीसी फाउंडेशन के संस्थापक अनूप नौटियाल ने कहा कि शहरी क्षेत्रों में मतदाताओं की संख्या में काफी तेज़ी से वृद्धि हुई है।

उत्तराखंड विधानसभा चुनाव 2022

चर्चा में क्यों ?

- 10 मार्च, 2022 को उत्तराखंड विधानसभा चुनाव में निर्वाचन आयोग ने राज्य की 70 सीटों पर चुनाव परिणाम घोषित कर दिये, जिनमें भारतीय जनता पार्टी ने 47 सीटों पर जीत दर्ज कर पूर्ण बहुमत हासिल कर लिया है।

प्रमुख बिंदु

- इस चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सर्वाधिक 47 सीटों पर जीत दर्ज की है तथा उसे 44.33 प्रतिशत वोट मिले है।
- इसके साथ ही भाजपा ने उत्तराखंड में लगातार दो बार सरकार बनाने वाली पहली पार्टी होने का इतिहास रच दिया है।
- इस चुनाव में सबसे बड़ी बात यह रही कि दो बार के विजेता और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी खटीमा सीट से 6951 वोटों से पराजित हो गए।
- भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस 19 सीटों पर जीत दर्ज कर दूसरे स्थान पर रही, उसे 37.91 प्रतिशत वोट मिले।
- बहुजन समाज पार्टी (बसपा) और निर्दलीय 2-2 सीटों पर जीत हासिल कर सके।

चुनाव जीतने वाले 70 प्रत्याशियों में 27 प्रतिशत के खिलाफ आपराधिक मामले

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में चुनाव सुधार की वकालत करने वाले समूह एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की रिपोर्ट में बताया गया है कि 2022 के उत्तराखंड विधानसभा चुनाव में विजयी सभी 70 प्रत्याशियों में से 19 (27 प्रतिशत) के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं।

प्रमुख बिंदु

- एडीआर ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि उत्तराखंड इलेक्शन वॉच के साथ 2022 में उत्तराखंड विधानसभा चुनाव जीतने वाले सभी 70 प्रत्याशियों द्वारा स्वघोषित हलफनामे का विश्लेषण किया गया है। विजयी 70 प्रत्याशियों में से 19 (27 प्रतिशत) ने हलफनामे में अपने खिलाफ दर्ज आपराधिक मामलों की जानकारी दी है।
- वहीं 2017 में उत्तराखंड विधानसभा चुनाव के दौरान किये गए विश्लेषण में 70 विधायकों में से 22 (31 प्रतिशत) ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले घोषित किये थे।
- 2022 के उत्तराखंड विधानसभा चुनाव में भाजपा के विजयी 47 प्रत्याशियों में से 8 (17 प्रतिशत) प्रत्याशी आपराधिक पृष्ठभूमि वाले हैं।
- कॉन्ग्रेस के विजयी 19 प्रत्याशियों में से 8 (42) प्रतिशत) ने दिये गए हलफनामे में अपने खिलाफ आपराधिक केसों की जानकारी दी है।
- बीएसपी के विजयी दो प्रत्याशियों में से एक (50 प्रतिशत) और दो निर्दलीय जीतने वालों में दोनों ने ही आपराधिक मामले घोषित किये हैं।
- एडीआर ने अपने विश्लेषण में पाया कि भाजपा के विजयी 47 में से पाँच (11 प्रतिशत), कॉन्ग्रेस के विजयी 19 में से चार (21 प्रतिशत) तथा दो निर्दलीय में से एक ने अपने खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले घोषित किये हैं।

नोट :

- एडीआर रिपोर्ट के अनुसार विजयी 70 प्रत्याशियों में से 58 (83 प्रतिशत) प्रत्याशी करोड़पति हैं। 2017 के विधानसभा चुनाव में 51(73 प्रतिशत) प्रत्याशी करोड़पति थे।
- भाजपा के विजयी 47 प्रत्याशियों में 40 (85 प्रतिशत), कॉन्ग्रेस के विजयी 19 में से 15 (79 प्रतिशत), बसपा के दोनों विजयी प्रत्याशी और निर्दलीय दोनों विजेता में से एक (50 प्रतिशत) ने एक करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति घोषित की है।

काली नदी पर तटबंध निर्माण

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में उत्तराखंड के पिथौरागढ़ ज़िले के ज़िलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने बताया कि काली नदी के कहर से भारतीय भूमि को बचाने के लिये तटबंध निर्माण का कार्य शुरू हो गया है।

प्रमुख बिंदु

- 936 मीटर लंबा और तीन मीटर चौड़ाई वाला तटबंध धारचूला के घटखोला से खोखिला तक बनाया जाएगा।
- उल्लेखनीय है कि भारत-नेपाल सीमा का निर्धारण करने वाली काली नदी से इस क्षेत्र में भारी भू-कटाव होता है।
- नेपाल की तरफ तटबंध होने और भारत में तटबंध न होने से हर साल काली नदी बड़े पैमाने पर कटाव करती है, परिणामस्वरूप नदी का बहाव व कटाव भारत की तरफ होता जा रहा है।
- काली नदी (जिसे महाकाली, कालीगंगा या शारदा के नाम से भी जाना जाता है) उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में प्रवाहित होती है।
- इस नदी का उद्गम उत्तराखंड के पिथौरागढ़ ज़िले में कालापानी नामक स्थान से होता है। अपने ऊपरी मार्ग पर यह नदी नेपाल के साथ भारत की निरंतर पूर्वी सीमा बनाती है।

आईआईटी परिसर में मिला टाइफोनियम इनोपिनटम का पौधा

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में भारतीय वन्यजीव संस्थान, देहरादून की ओर से जारी की गई वनस्पतियों और जीवों की जैव विविधता रिपोर्ट में बताया गया है कि भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) रुड़की परिसर में टाइफोनियम इनोपिनटम का पौधा मिला है।

प्रमुख बिंदु

- भारतीय वन्यजीव संस्थान द्वारा जारी यह जैव विविधता रिपोर्ट आईआईटी रुड़की परिसर के जैव विविधता का इस तरह का पहला दस्तावेज़ है।
- आईआईटी के निदेशक प्रोफेसर अजित कुमार चतुर्वेदी के अनुसार पाँच महीने तक किये गए वानस्पतिक सर्वेक्षण में पेड़ों, झाड़ियों और जड़ी-बूटियों के साथ लकड़ी तथा जड़ी-बूटियों की लताओं से संबंधित पौधों की उपस्थिति का पता चला है।
- टाइफोनियम इनोपिनटम अरेसी (अरुम) परिवार से जुड़ा एक औषधीय पौधा है। इसकी जड़ का उपयोग औषधि बनाने के लिये किया जाता है। इसका उपयोग सर्दी, गले की सूजन, कंजेशन और अन्य स्थितियों के लिये किया जाता हैं।

बंशीधर भगत प्रोटेम स्पीकर नियुक्त

चर्चा में क्यों ?

- 14 मार्च, 2022 को उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से.नि.) ने चौथी विधानसभा को भंग कर नवनिर्वाचित विधायक व पूर्व कैबिनेट मंत्री बंशीधर भगत को पांचवी निर्वाचित विधानसभा का प्रोटेम स्पीकर नियुक्त किया।

नोट :

प्रमुख बिंदु

- राज्यपाल ने संविधान के अनुच्छेद 180 (1) के तहत बंशीधर भगत को प्रोटेम स्पीकर नियुक्त किया है।
- प्रोटेम स्पीकर बंशीधर भगत नई विधानसभा के नवनिर्वाचित विधायकों को शपथ दिलाएंगे तथा सदन के निर्वाचित सदस्यों में से एक नए अध्यक्ष के चुने जाने तक अध्यक्ष के पद पर बने रहेंगे।
- उल्लेखनीय है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता बंशीधर भगत कालाढूंगी से विधायक निर्वाचित हुए हैं तथा सातवीं बार विधायक बने हैं।
- बंशीधर भगत राज्य के छठे प्रोटेम स्पीकर होंगे। ये पहली बार 1991 में अविभाजित उत्तर प्रदेश विधानसभा में नैनीताल से विधायक बने थे।
- बंशीधर भगत ने उत्तर प्रदेश सरकार में खाद्य व रसद राज्यमंत्री, पर्वतीय विकास मंत्री तथा वन राज्य मंत्री का कार्यभार संभाला था।

उत्तराखंड स्वास्थ्य विभाग और केरल के मेडिट्रिना के बीच समझौता ज्ञापन

चर्चा में क्यों ?

- 16 मार्च, 2022 को उत्तराखंड राज्य सरकार ने राज्य में हृदय रोग के इलाज के लिये केरल के मेडिट्रिना अस्पतालों के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) किया है। मेडिट्रिना देहरादून में दीन दयाल उपाध्याय (कोरोनेशन) अस्पताल में अपनी सेवाएँ प्रदान करेगा।

प्रमुख बिंदु

- राज्य स्वास्थ्य सेवाओं की महानिदेशक (डीजी) डॉ. तृप्ति बहुगुणा और मेडिट्रिना अस्पतालों के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) डॉ. एन. प्रताप कुमार ने राज्य स्वास्थ्य निदेशालय में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये।
- सात साल की अवधि के लिये अनुबंध पर हस्ताक्षर किये गए हैं। इसके तहत राज्य सरकार के सेवारत् और सेवानिवृत्त कर्मचारी, आयुष्मान भारत योजना, बीपीएल, ईएसआईसी, ईसीएसएच और सीजीएचएस कार्ड धारकों को मुफ्त इलाज मिलेगा तथा सामान्य श्रेणी के रोगियों को रियायती दरों पर इलाज मिलेगा। बच्चों में हृदय रोग से संबंधित उपचार और सर्जरी भी की जाएगी।
- वर्तमान में, मेडिट्रिना समूह देश के बाहर चार राज्यों और दो स्थानों में स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से हृदय रोगियों का इलाज करता है।
- उल्लेखनीय है कि मेडिट्रिना ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स अपनी नैतिक चिकित्सा पद्धतियों के लिये जाना जाता है, जो इसे रोगियों के लिये पसंदीदा विकल्प बनाती हैं।
- इसके अलावा, अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप नैदानिक परिणाम प्राप्त करते हुए मेडिट्रिना अस्पताल अंतर्राष्ट्रीय लागत के एक अंश पर उन्नत प्रक्रियाओं को सुलभ बनाता है।

छह निजी अस्पताल आयुष्मान योजना की सूची से बाहर

चर्चा में क्यों ?

- 17 मार्च, 2022 को उत्तराखंड राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण ने आयुष्मान योजना के गोल्डन कार्ड पर मरीज़ों को अस्पताल में उपलब्ध सभी स्पेशियलिटी की सुविधाएँ न देने पर छह निजी अस्पतालों की सूचीबद्धता रद्द कर दी।

प्रमुख बिंदु

- राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण ने देहरादून, ऊधमसिंह नगर, नैनीताल और टिहरी ज़िले के छह निजी अस्पतालों की योजना में सूचीबद्धता समाप्त कर दी है। इसमें कंबाइंड मेडिकल इंस्टीट्यूट, देहरादून (सीएमआई), सुंदर मोहन डेंटल केयर एंड रूट कैनाल सेंटर देहरादून, ऊषा बहुगुणा अल्फा हेल्थ इंस्टीट्यूट नैनीताल, गहतोरी हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, किशोर हॉस्पिटल ऊधमसिंह नगर व क्रिश्चियन हॉस्पिटल चंबा शामिल हैं।
- उल्लेखनीय है कि प्राधिकरण की ओर से सूचीबद्ध अस्पतालों को सभी स्पेशियलिटी की सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिये एक माह का समय दिया गया था। वेलमेड हॉस्पिटल को छोड़कर बाकी कोई भी निजी अस्पताल सभी सेवाएँ देने को तैयार नहीं हुआ। इस पर प्राधिकरण ने सूचीबद्धता निरस्त करने की कार्रवाई की है।

नोट :

- राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण की आयुष्मान योजना की गाइडलाइन के मुताबिक सूचीबद्ध अस्पतालों को उपलब्ध सभी स्पेशियलिटी की सुविधाएँ मरीज़ों को देनी होंगी।
- प्रदेश में कई ऐसे निजी अस्पताल हैं, जिन्होंने गोल्डन कार्ड पर एक या दो बीमारियों का इलाज करने को सूचीबद्ध किया है। इससे गोल्डन कार्ड धारक मरीजों को इलाज कराने में दिक्कतें आ रही हैं।
- गौरतलब है कि गोल्डन कार्ड एक ऐसा कार्ड है जिसकी सहायता से देश का कोई भी व्यक्ति आयुष्मान भारत योजना में चुने गए सरकारी और निजी हॉस्पिटलों में अपना 5 लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज करवा सकते है। यह कार्ड उन गरीब लोगो को दिया जाता है जो आयुषमान भारत योजना के लाभार्थी होते हैं।

स्व. बिपिन रावत पद्म विभूषण से सम्मानित, बेटियों ने ग्रहण किया अवार्ड

चर्चा में क्यों ?

- 21 मार्च, 2022 को राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित नागरिक अलंकरण समारोह में देश के पहले चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल बिपिन रावत को मरणोपरांत पद्मविभूषण प्रदान किया। जनरल रावत की बेटियों कीर्तिका व तारिणी ने यह पुरस्कार ग्रहण किया।

प्रमुख बिंदु

- राष्ट्रपति ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित नागरिक अलंकरण समारोह-I में वर्ष 2022 के लिये पद्मविभूषण, पद्मभूषण और पद्मश्री पुरस्कार प्रदान किया। उन्होंने देश के पहले चीफ आफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल बिपिन रावत, गीता प्रेस के पूर्व चेयरमैन राधेश्याम खेमका व कॉन्ग्रेस के वरिष्ठ नेता गुलाम नबी आज़ाद समेत 54 हस्तियों को पद्म पुरस्कार प्रदान किये।
- नागरिक अलंकरण समारोह-II का आयोजन 28 मार्च को किया जाएगा, जिसमें शेष हस्तियों को पुरस्कृत किया जाएगा।
- उल्लेखनीय है कि जनरल रावत की पिछले साल दिसंबर में हेलीकॉप्टर हादसे के दौरान मौत हो गई थी।
- इस वर्ष कुल 128 पद्म पुरस्कार दिये जा रहे हैं, जिनमें दो युग्म पुरस्कार (युग्म पुरस्कारों को एकल पुरस्कार गिना जाता है) शामिल हैं। पुरस्कृतों की सूची में चार पद्मविभूषण, 17 पद्मभूषण और 107 पद्मश्री पुरस्कार हैं। पुरस्कृतों में 34 महिलाएँ हैं। सूची में विदेशी/एनआरआई/पीआईओ/ओसीआई वर्ग के 10 लोग शामिल हैं।
- ये पुरस्कार तीन श्रेणियों- पद्मविभूषण, पद्मभूषण और पद्मश्री में प्रदान किये जाते हैं। विभिन्न विषयों/क्षेत्रों, जैसे- कला, सामाजिक कार्य, जन कार्य, विज्ञान एवं अभियांत्रिकी, व्यापार एवं उद्योग, औषधि, साहित्य एवं शिक्षा, खेल, नागरिक सेवा आदि के लिये पुरस्कारों को प्रदान किया जाता है।
- 'पद्मविभूषण' उत्कृष्ट और विशिष्ट सेवा के लिये; 'पद्मभूषण' उच्चस्तरीय विशिष्ट सेवा के लिये और 'पद्मश्री' किसी भी क्षेत्र में विशिष्ट सेवा के लिये दिये जाते हैं। पुरस्कारों की घोषणा प्रत्येक वर्ष गणतंत्र दिवस के अवसर पर की जाती है।

झंडा मेला

चर्चा में क्यों ?

- 22 मार्च, 2022 को नए पवित्र श्रीझंडे जी के आरोहण के साथ ही देहरादून में झंडा मेले की औपचारिक शुरुआत हो गई।

प्रमुख बिंदु

- गौरतलब है कि लगभग एक महीने तक चलने वाला झंडा मेला होली के पाँच दिन बाद चैत्र कृष्ण पंचमी को दरबार साहिब में श्रीझंडे जी के आरोहण के साथ ही शुरू हो जाता है।
- देहरादून में आयोजित होने वाले श्रीझंडे जी मेले का अपना इतिहास है। इसके लिये पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान सहित देश के अलग-अलग जगहों से हज़ारों की संख्या में श्रद्धालु श्री दरबार साहिब पहुँचते हैं।
- श्रीझंडे जी पर तीन तरह के गिलाफों का आवरण होता है। सबसे भीतर की ओर 41 सादे गिलाफ, मध्यभाग में शनील के 21 गिलाफ तथा सबसे बाहर की ओर 1 दर्शनी गिलाफ चढ़ाया जाता है।

नोट :

उत्तराखंड में नई सरकार का गठन

चर्चा में क्यों ?

- 23 मार्च, 2022 को पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड के 12वें मुख्यमंत्री के रूप में पद और गोपनीयता की शपथ ली।

प्रमुख बिंदु

- मुख्यमंत्री के साथ 8 कैबिनेट मंत्रियों को उत्तराखंड के राज्यपाल गुरमीत सिंह ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।
- शपथ लेने वाले आठ कैबिनेट मंत्रियों में सतपाल महाराज, धन सिंह रावत, सुबोध उनियाल, गणेश जोशी, सौरभ बहुगुणा, चंदन रामदस, रेखा आर्य और प्रेमचंद अग्रवाल शामिल हैं।
- उल्लेखनीय है कि 9 नवंबर, 2000 को उत्तराखंड के गठन के बाद से राज्य में यह पहली बार है, जब किसी राजनीतिक पार्टी ने उत्तराखंड में दोबारा सरकार बनाई है।
- गौरतलब है कि विधानसभा चुनाव 2022 में भाजपा ने 70 विधानसभा सीटों में से 47 सीटें जीती हैं।

धूमकेतु लियोनार्ड

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में बेहद चमकीला धूमकेतु (सी 2021 ए 1)) टूटकर बिखर गया। इसके टुकड़ों में विभाजित अवशेषों को दक्षिणी गोलार्द्ध के आसमान में देखा गया है।

प्रमुख बिंदु

- आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज), नैनीताल के वरिष्ठ खगोल विज्ञानी डॉ. शशिभूषण पांडेय ने बताया कि इस धूमकेतु की खोज 3 जनवरी, 2021 को जीजे लियोनार्ड ने की थी, जिस कारण इसे कामेट लियोनार्ड के नाम से भी जाना जाता है।
- यह धूमकेतु 12 दिसंबर, 2021 को पृथ्वी के करीब से गुजरा था, जिसकी फोटो नैनीताल के एस्ट्रोफोटोग्राफर राजीव दुबे ने ली थी।
- यह 3 जनवरी, 2022 को सूरज के नजदीक पहुँचा था। सूरज के नजदीक पहुँचने पर वह दिशा भटक चुका था और टूटकर बिखरने लगा था
- यह धूमकेतु बेहद चमकीला था, जिसे नग्न आँखों से भी देखा गया। पृथ्वी के नजदीक आने पर दुनिया के कई हिस्सों से खगोलप्रेमियों ने इसे कैमरे में कैद किया था।

रितु खंडूरी निर्विरोध चुनी गईं उत्तराखंड विधानसभा की अध्यक्ष

चर्चा में क्यों ?

- 26 मार्च, 2022 को कोटद्वार से भारतीय जनता पार्टी की विधायक रितु खंडूरी भूषण को उत्तराखंड की पाँचवी विधानसभा का निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया।

प्रमुख बिंदु

- रितु खंडूरी उत्तराखंड विधानसभा की पहली महिला अध्यक्ष हैं। वे दूसरी बार विधायक बनी हैं। पिछली विधानसभा चुनाव में वे यमकेश्वर से विधायक बनी थीं।
- 29 जनवरी, 1965 को नैनीताल में जन्मीं खंडूरी पूर्व मुख्यमंत्री और पूर्व केंद्रीय मंत्री मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) भुवन चंद्र खंडूरी की बेटी हैं।
- उन्होंने रघुनाथ गर्ल्स कॉलेज, मेरठ (यूपी) से स्नातक किया है और राजस्थान विश्वविद्यालय से इतिहास में स्नातकोत्तर (पीजी) हैं।
- खंडूरी ने वर्ष 2006 से 2017 तक नोएडा में एमिटी विश्वविद्यालय में एक संकाय सदस्य के रूप में काम किया है और भारतीय इतिहास पर तीन पुस्तकें लिखी हैं।

नोट :

मुख्यमंत्री धामी ने किया मंत्रालयों का बँटवारा, अपने पास रखे 24 विभाग

चर्चा में क्यों ?

- 29 मार्च, 2022 को उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंत्रालयों का बँटवारा कर दिया। धामी ने अपने पास 21 मंत्रालय व 24 विभाग रखे हैं। पिछले कार्यकाल में उनके पास 12 मंत्रालय थे।

प्रमुख बिंदु

- सूची के अनुसार, मुख्यमंत्री ने अपने पास आबकारी, ऊर्जा, पेयजल, श्रम, गृह, राजस्व, कार्मिक, राज्य संपत्ति, नियोजन, सूचना, न्याय, आपदा प्रबंधन, नागारिक उड्डयन समेत 21 मंत्रालय रखे हैं। वह कुल 24 विभागों को देखेंगे।
- वरिष्ठ कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज के लोक निर्माण विभाग, सिंचाई, पर्यटन, धर्मस्व, संस्कृति, जलागम प्रबंधन को बरकरार रखते हुए पंचायतीराज व ग्रामीण निर्माण नए मंत्रालय दिये गए हैं।
- कैबिनेट मंत्री डॉ. धनसिंह रावत को प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च शिक्षा, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, सहकारिता और संस्कृत शिक्षा मंत्रालय का प्रभार मिला है।
- कैबिनेट में शामिल किये गए प्रेमचंद अग्रवाल को वित्त, शहरी विकास एवं आवास, विधायी एवं संसदीय कार्य, पुनर्गठन एवं जनगणना मंत्रालय का प्रभार मिला है।
- सुबोध उनियाल के पास अब कृषि एवं उद्यान मंत्रालय नहीं होंगे, उन्हें इस बार वन, भाषा, निर्वाचन एवं तकनीकी शिक्षा मंत्रालय का प्रभार मिला है।
- कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी को कृषि एवं कृषक कल्याण, सैनिक कल्याण व ग्राम्य विकास मंत्रालय का प्रभार मिला है।
- कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य महिला सशक्तीकरण एवं बाल विकास के अलावा खेल एवं युवा कल्याण तथा खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले का मंत्रालय देखेंगी।
- मंत्रिमंडल में पहली बार शामिल हुए कैबिनेट मंत्री चंदन रामदास को समाज कल्याण, परिवहन तथा लघु एवं सूक्ष्म मध्यम उद्यम मंत्रालय दिये गए हैं।
- नए व युवा कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा को पशुपालन, दुग्ध विकास एवं मत्स्य पालन, गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग, प्रोटोकॉल व कौशल विकास एवं सेवायोजन विभाग दिये गए हैं।

वृद्धावस्था पेंशन योजना में परिवर्तन

चर्चा में क्यों ?

- 29 मार्च, 2022 को राज्य सरकार द्वारा जारी शासनादेश के अनुसार वृद्धावस्था पेंशन की राशि 1200 रुपए से बढ़ाकर 1400 रुपए कर दी गई है।

प्रमुख बिंदु

- नए परिवर्तनों के अनुसार, वृद्धावस्था पेंशन योजना में पात्र परिवार के वृद्ध दंपति को वर्ष में 14400 रुपए के स्थान पर 33600 रुपए की राशि प्राप्त होगी।
- गौरतलब है कि पहले वृद्धावस्था पेंशन वृद्ध दंपति में से किसी एक को ही मिलती थी, किंतु अब यह पेंशन पति-पत्नी दोनों को प्राप्त हो सकेगी।
- पेंशन योजना में परिवर्तनों को पिछले वर्ष दिसंबर में घोषित करने के साथ-साथ कैबिनेट की मंज़ूरी भी प्रदान कर दी गई थी।
- इस योजना का क्रियान्वयन समाज कल्याण विभाग द्वारा किया जा रहा है, जिसका प्रभार वर्तमान में कैबिनेट मंत्री चंदन रामदास के पास है।

नोट :